

24.5.22

प्रजापती पेश हुई। वकीलवादी व ^{प्रतिवादी} वादी स्वयं कोई उपाधि नही है। वकीलवादी व ^{प्रतिवादी} वादी को न्यायालय समक्ष एक बार-बार आवाज लगवाई गई लेकिन कोई उपाधि नही हुए।

आज वादी वाद अन्तर्गत धारा 188 रा. टी. ए. अन्तर्गत कोदेश 09 मि. प्र. 03 के अदम दायरी अदम पेशी में लॉरेज किया जाता है। प्रजापती केसल शुमार होकर नम्बर से नाम होकर दायरी-दफ्तर है। मि. म. हुले न्यायालय से मुकामा गया

उपखण्ड अधिकारी
साँभर लेक

